

Bihar Board Class 6 Sanskrit Solutions Chapter 1 प्राथना

अभ्यासः

प्रश्न 1.

इन शब्दों के अर्थ बताएँ-द्रविणम्, सखा, विशालाय, नगेन्द्राय, मम्।

उत्तर-

द्रविणम्-धन, सखा-मित्र, विशालाय -विशाल को, नगेन्द्रायपर्वतराज को, मम-मेरा।

प्रश्न 2.

“बन्धुश्च” के समान निम्नलिखित शब्दों को जोड़कर बोलें।

हरिः च = हरिश्च। लोकः + च = लोकश्च। पुनः + च = पुनश्च।

अजः+चरति = अजश्चरति।

प्रश्न 3.

निम्नलिखित शब्दों का चतुर्थी एकवचन में रूप बताएँ-सागर, विशाल, देश, पुत्र, हिमालय।

उत्तर-

सागर-सागराय, विशाल विशालाय, देश-देशाय, पुत्र-पुत्राय, हिमालय-हिमालयाय।।

प्रश्न 4.

द्वितीय पद्य का पाठ करें।

उत्तर-

नमो नगेन्द्राय मम भारताय ।। तक पाठ्य पुस्तक से कर लें।

प्रश्न 5.

‘नमः’ शब्द से युक्त पाँच वाक्य बोलें।

उत्तर-

शिवाय नमः, गणेशाय नमः, देवाय नमः, भारताय नमः, हिमालयाय नमः ।

लिखित

प्रश्न 6.

इन वाक्यों में रिक्त स्थानों को सही शब्दों से भरें

(क) नमो च सागराय।

उत्तर-

विशालाय

(ख) तस्मै भारताय।

उत्तर-

देशाय, मम्

(ग) सर्व मम।

उत्तर-

त्वमेव, देव-देव

(घ) त्वमेव द्रविणं त्वमेवा

उत्तर-विद्या

(ङ) मदी सुखसाधनेभ्यः

उत्तर-

गणेभ्यः

प्रश्न 7.

संस्कृत में अनुवाद करें –

1. तुम्हीं मेरे पिता हो (असि)।
2. मैं ही पुत्र हूँ (अस्मि)
3. विशाल सागर को नमस्कार।
4. भारत देश को नमस्कार।
5. भारत मेरा सबकुछ है (अस्ति)।

उत्तर-

1. त्वमेव मम पिता असि।
2. अहमेत पुत्रः अस्मि।
3. विशालाय सागराय नमः।
4. भारताय देशाय नमः।
5. भारतः मम् सर्वं अस्ति।

प्रश्न 8.

इन शब्दों से वाक्य बनाएँ-द्रविणम्, तस्मै, मम, नदीगणेभ्यः, सखा

उत्तर-

द्रविणम् – त्वमेव, द्रविणं असि।

तस्मै-तस्मै नमः।

मम् – मम् भारतः विशालः अस्ति।

नदीगणेभ्यः – नदीगणेभ्यः नमः।

सखा – रमेशः मम् सखा अस्ति।

प्रश्न 9.

भारत की विशेषताओं पर पाँच वाक्य हिन्दी में लिखें।

उत्तर-

1. मेरा भारत विशाल है।
2. हिमालय भारत के उत्तर में है।

3. भारत की भूमि उपजाऊ है।
4. भारत में अनेक पवित्र नदियाँ बहती हैं।
5. भारत में हिन्दू-मुसलमान-सिख-ईसाई मिलजुकर निवास करते हैं।

प्रश्न 10.

अपने स्मरण से कोई श्लोक लिखें जो इस पाठ से भिन्न हो।

उत्तर-

मंगलं भगवान विष्णुः मंगलं गरूडध्वजः।

मंगलं पुण्डरीकाक्षः मगलाय तनोहिरः।।

प्रश्न 11.

निम्नलिखित का सुमेल करें –

1. नग+इन्द्रः – (क) भारतम्
2. हिम+आलय – (ख) रामश्च
3. भरतः – (ग) नगेन्द्रः ।
4. सगरः – (घ) हिमालयः
5. रामः+च – (ङ) सागरः

उत्तर-

1. नग+इन्द्रः – (ग) नगेन्द्रः
2. हिम+आलय – (घ) हिमालयः
3. भरतः – (क) भारतम्
4. सगरः – (ङ) सागरः
5. रामः+च – (ख) रामश्च